केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 42 रविवार 31 अगस्त 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सरयू की मुख्य धारा में छोड़ा गया घड़ियाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। कलवारी थाना क्षेत्र के टेंगरिहा राजा गांव के दक्षिण शनिवार की सुबह ठोकर नंबर एक के पश्चिम गांव के कुछ लोगो ने नदी की सोती में पांच फुट लंबा घरियार देखा तो वन विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया। वन विभाग व स्थानीय लोगों की मदत से घरियाल को पकड कर कंधे पर लाद सरयू के मुख्य धारा में छोड़ दिया गया।

टेंगरिहा राजा गांव निवासी बलिराम राजभर धान की फसल सुबह देखने जा रहे थे। कलवारी–रामपुर तटबंध के दक्षिण सोती में पहुंचे तो किनारे पांच फुट लंबा घरियाल पड़ा था। नजदीक देखा तो वह जिंदा था। खेत में काम कर आसपास के लोग भी देखने पहुंचे। स्थानीय लोगों ने वन दरोगा राम मूरत यादव व नंदलाल को बताया। टीम के साथ पहुंचे और स्थानीय लोगो की मदत से कड़ी मेहनत कर पकड़ा और बलराम अपने कंधे पर लाद गांव के लोगों की मदत से सरयू नदी की मुख्य धारा में छोड़ दिया। उहोंने बताया कि नदी का जल स्तर घट गया और सोती का पानी सूख गया। पानी कम होने पर बाहर बैठा था। उसे नदी की धारा में डालने के बाद बड़ी खुशी मिली।

बन दरोगा राम मूरत यादव ने बताया कि ग्रामीणों की मदद से घड़ियाल को गहरे पानी में डाल दिया गया। जलस्तर जब बढा था उसी दौरान कही से आ गया। किसी को भयभीत होने की जरुरत नही है।

पुलिस बूथ का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बरदहिया चौराहे पर पुलिस बूथ की स्थापना की गई है। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बूथ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह में कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद थे। एडिशनल एसपी ओ.पी. सिंह और क्षेत्राधिकारी सदर सत्येंद्र भूषण तिवारी ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। थानाध्यक्ष पुरानी बस्ती महेश सिंह, चौकी प्रभारी दक्खिन दरवाजा ओ.पी. मिश्र और चौकी इंचार्ज पाण्डेय बाजार राकेश त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

बरदहिया चौराहे पर स्थापित इस पुलिस बूथ से क्षेत्र में कानून–व्यवस्था सुदृढ़ होगी। साथ ही यातायात व्यवस्था को भी बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे क्षेत्र में जनसुरक्षा को बल मिलेगा।

जिला अस्पताल में पानी का संकट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला अस्पताल में पिछले कुछ दिनों से पानी की आपूर्ति बाधित है। इससे मरीजों और उनके परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्राइवेट वार्ड में भर्ती मरीजों को पीने का पानी खरीदना पड़ रहा है। अस्पताल की रसोई में भी पानी नहीं मिल रहा है। रसोई कर्मचारियों को बाहर से पानी मंगवाना पड़ रहा है। इससे खाना बनाने में देरी हो रही है।

7 साल बाद चीन पहुंचे पीएम मोदी

बीजिंग (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात साल से ज्यादा के अंतराल के बाद शनिवार को चीन पहुंचे। इस यात्रा पर पूरी दुनिया की नजर है। दुनिया बेहद उत्सुकता से पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात का इंतजार कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से भारत–अमेरिका संबंधों में अचानक आई गिरावट को देखते हुए यह यात्रा और भी महत्वपूर्ण हो गई है। पीएम मोदी मोदी मुख्य रूप से 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन आए हैं।

हालांकि, रविवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी निर्धारित बैठक वाशिंगटन के टैरिफ विवाद के मद्देनजर और भी महत्वपूर्ण हो गई है, जिसका असर दुनिया भर की लगभग सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा है। इस वार्ता में पीएम मोदी और शी भारत–चीन आर्थिक संबंधों का जायजा लेने और पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद के बाद गंभीर तनाव में आए संबंधों को और सामान्य बनाने के लिए कदमों पर विचार–विमर्श करेंगे। प्रधानमंत्री अपनी दो–राष्ट्र यात्रा के दूसरे और अंतिम चरण में जापान से इस चीनी शहर पहुंचे हैं।

8 वर्षीय दिव्या का श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल में सफल आपरेशन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल में दूरबीन विधि से बलरामपुर जनपद के अजगरी उतरौला निवासी सन्तोष कुमार की पुत्री दिव्या निषाद का सफल आपरेशन कर पित्त की थैली से 6.3 एम.एम. की पथरी निकाली गई। उम्र कम होने के कारण चिकित्सकों के लिये यह चुनौती थी। वरिष्ठ सर्जन डा. नवीन मौर्या और डा. असरार ने पूरी कुशलता के साथ यह जटिल ऑपरेशन किया।

हास्पिटल के चेयरमैन बसन्त चौधरी ने कहा कि जिन उद्देश्यों को लेकर श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल की नींव डाली गयी थी वह सपना अब साकार हो रहा है। उन्होने चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों का हौसला बढाते हुये कहा कि बेहतर सेवा से ही लक्ष्य पूरे होंगे।

विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन युवा शाखा के पदाधिकारी घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन की बैठक युवा जिलाध्यक्ष अनूप मिश्र की अध्यक्षता में उमा पब्लिक स्कूल हनुमाननगर बसिया के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में व्यापारियों की समस्याओं पर चर्चा के साथ ही निर्णय लिया गया कि जो भी समस्यायें सामने आयेंगी उनका प्रभावी निराकरण कराया जायेगा। बैठक में एसोसिएशन के युवा शाखा पदाधिकरियों की घोषणा की गई। इसमें सूर्यनाथ भारती जिला महासचिव, बलराम चौधरी उपाध्यक्ष, प्रदीप कुमार कोषाध्यक्ष, रविकान्त दूबे मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा गया।

मुख्य अतिथि एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धेश कुमार ने पदाधिकारियों का आवाहन किया कि वे व्यापारी हितों के लिये अपना प्रयास जारी रखे। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ व्यापारी नेता अरुण कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष आशीष स्वामी उर्फ कल्लू बाबा ने कहा कि एसोसिएशन व्यापारी हितों के लिये निरन्तर प्रयत्नशील है। एकजुटता से ही समस्याओं का हल निकलेगा। युवा जिलाध्यक्ष अनूप मिश्र ने कहा कि पदाधिकारी निश्चित रूप से अपने दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन कर एसोसिएशन को मजबूती देंगे। संचालन करते हुये सूर्यनाथ भारती ने एसोसिएशन के उद्देश्य और लक्ष्य पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर मुख्य रूप से लालजी, अनिल वर्मा, रामजी, सन्तोष, अब्दुल कादिर, विकास चौधरी, पवन, शुभम यादव, दीपक मद्धेशिया, कन्हैया, राकेश बिहारी, वृजेश चौधरी, अमित श्रीवास्तव, राकेश रोशन के साथ ही एसोसिएशन के अनेक पदाधिकारी, सदस्य, व्यापारी उपस्थित रहे।

नवजात के इलाज में कोई लापरवाही नहीं हुई–डा. आफताब खान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बेबी केयर सेन्टर गडगोडिया के चिकित्सक डा. आफताब खान ने नवजात के मौत मामले में कहा है कि उसकी स्थिति गंभीर थी जिसकी जानकारी परिजनों को दे दिया गया था। नवजात को गोरखपुर मेडिकल कालेज के लिये रेफर किया गया था। यह आरोप झूठा है कि उसकी मौत रास्ते में हुई। जानकारी मिली है कि एम्स में नवजात ने दम तोड़ा। उसके इलाज में कोई लापरवाही नहीं की गई थी।

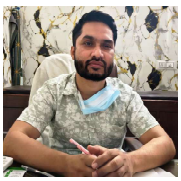

ज्ञात रहे कि रूधौली थाना क्षेत्र के रामबारी निवासी शैलेन्द्र कुमार उपाध्याय ने जिलाधिकारी को सम्बोधित पत्र प्रशासनिक अधिकारी को सौंपकर नवजात के मौत मामले में दोषी चिकित्सक डा. आफताब खान और बेबी केयर सेन्टर गडगोडिया के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

पत्र में शैलेन्द्र कुमार उपाध्याय ने कहा है कि उसके छोटे भाई की पत्नी सीमा उपाध्याय का टी.बी. हास्पिटल के सामने स्थित रेडियन्ट हास्पिटल में प्रसव हुआ। बच्चा कुछ बीमार था और उसे डाक्टर ने बेबी केयर सेन्टर गडगोडिया में रेफर कर दिया। डा. आफताब खान ने कहा कि बच्चा दो दिन में ठीक हो जायेगा किन्तु उसकी हालत बिगड़ती गई। अचानक डा. आफताब खान ने कहा कि बच्चे को गोरखपुर ले जाइये। रास्ते में बच्चे की मौत हो गई। उससे इलाज के नाम पर मोटी रकम वसूला गया। शैलेन्द्र कुमार उपाध्याय ने मांग किया है कि दोषी डाक्टर आफताब खान के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय। जबकि डा. आफताब खान का कहना है कि शैलेन्द्र कुमार उपाध्याय द्वारा लगाये गये आरोप बेबुनियाद है।

लोकतंत्र की रक्षा के लिये आगे आयें अधिवक्ता–शौकत अली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को शहर कांग्रेस के नव नियुक्त अध्यक्ष शौकत अली नन्हू ने अधिवक्ताओं से संवाद बनाया और उनसे कांग्रेस की मजबूती के लिये सहयोग मांगा। जनपद बार एसोसिएशन के सभागार में अधिवक्ताओं ने शौकत अली नन्हू का स्वागत कर उनका उत्साहवर्धन किया। शौकत अली ने कहा कि देश को आजादी दिलाने में अधिवक्ताओं का सर्वाधिक योगदान रहा है। महात्मा गांधी, प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू, लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल भी अधिवक्ता थे और उन्होने देश को आजाद कराने में निर्णायक भूमिका निभाया।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आज फिर देश के लोकतंत्र की मूल आत्मा पर भाजपा द्वारा चोट किया जा रहा है। ऐसे में सत्य की रक्षा के लिये अधिवक्ताओं को आगे आना होगा जिससे देश में कांग्रेस की मजबूत वापसी हो। अधिवक्ता आशुतोष पाण्डेय ने कहा कि देश की जनता भाजपा से ऊब चुकी है और अब कांग्रेस की मजबूत वापसी तंय है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिव विभूति मिश्र, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, अलीम अख्तर, सेराज अहमद के साथ ही अधिवक्ता सदावृक्ष चौधरी, अविनाश पाण्डेय, सुनैना, प्रीती चौधरी, शीतला प्रसाद मिश्रा, कालीदीन भट्ट, मो. मेहबूब, धनंजय कुमार, गीताश्वरी देवी, सुनील कुमार यादव, इजहार अली आदि उपस्थित रहे।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने राजस्थान में पूर्व विधायक के पेंशन के लिए दिया आवेदन

नई दिल्ली (आभा)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा में पूर्व विधायक के रूप में पेंशन के लिए आवेदन दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। धनखड़ 1993 से 1998 तक किशनगढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस के विधायक रहे थे। वह जुलाई 2019 तक पूर्व विधायक के रूप में पेंशन ले रहे थे। धनखड़ के पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त होने के बाद यह पेंशन बंद कर दी गयी थी। इक्कीस जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से हटने के बाद, धनखड़ ने पूर्व विधायक के रूप में पेंशन की बहाली के लिए राजस्थान विधानसभा सचिवालय में नये सिरे से आवेदन दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिवालय ने इस आवेदन पर प्रक्रिया शुरू कर दी है और उनकी पेंशन उपराष्ट्रपति के रूप में उनके इस्तीफे की तारीख से लागू होगी। राजस्थान में पूर्व विधायक के लिए पेंशन एक कार्यकाल के लिए 35,000 रुपये प्रति माह से शुरू होती है तथा अतिरिक्त कार्यकाल और उम्र के साथ बढ़ती जाती है। सत्तर वर्ष से अधिक आयु वालों को 20 प्रतिशत की वृद्धि का लाभ मिलता है। अधिकारियों के अनुसार 74 वर्षीय धनखड़ पूर्व विधायक होने के नाते 42,000 रुपये प्रति माह के हकदार हैं।

अवध के बाद मगध में हारेगी भाजपा- अखिलेश

सारण (आभा)। बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के आखिरी दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की 16 दिन लंबी इस यात्रा में शामिल होने के लिए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी पहुंचे । इस दौरान अखिलेश यादव ने बीजेपी और चुनाव आयोग पर तीखे हमले बोले। कहा, अवध की जनता ने बीजेपी को हटाया है, अब मगध के लोग भी बीजेपी को हटाएंगे. बीजेपी का पलायन होगा. यह एसआईआर धोखे देने की बात

है, यह सिरफिरा फैसला है. आयोग का इस समय फैसला लेने का मतलब है कि वोट चोरी के साथ डकैती की तैयारी थी। कहा, राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और बिहार की जनता को मैं बधाई देना चाहता हूं कि वे अपने वोट के अधिकार की लड़ाई लड़ रहे हैं.।

दलित बेटी के साथ दुराचार के प्रयास का मामला गरमाया

भीम आर्मी ने दिया न्याय न मिलने पर आन्दोलन की चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थाना क्षेत्र के एक गांव में दलित बालिका के साथ विशेष समुदाय के युवक द्वारा दुराचार करने के प्रयास का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शनिवार को भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष अजय कुलश्रेष्ठ के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने घर जाकर पीडित परिवार से मुलाकात के बाद सोनहा थानाध्यक्ष को पत्र सौंपा। मांग किया कि प्रकरण में दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई के साथ ही पीड़ित दलित परिवार के जान माल की सुरक्षा कराया जाय। पत्र मे कहा गया है कि विशेष समुदाय के लोग पीड़ित परिवार पर सुलह कर लेने का दबाव बनाने के साथ ही धमकिंया भी दे रहे हैं।

भीम आर्मी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कमलेश सचान ने बताया कि सोनहा थानाध्यक्ष से कहा गया है कि वे मामले में लापरवाही न बरते। कहा कि क्षेत्रीय विधायक विशेष समुदाय के आरोपी को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। चेतावनी दिया कि यदि गरीब पीडित दलित परिवार को न्याय न मिला तो भीम आर्मी आन्दोलन को बाध्य होगी। पत्र सौंपने के दौरान सत्य प्रकाश, शिवरतन, अजय आजाद, विकास, उदय आदि लोग शामिल रहे।

एफएलएन तीसरे, चौथे बैच के शिक्षकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। ब्लॉक संसाधन केन्द्र हर्रैया के सभागार में बीईओ विजय आनन्द के निर्देशन में चल रहे पांच दिवसीय एफएलएन एवं एनसीईआरटी आधारित पाठ्य पुस्तकों के तीसरे और चौथे बैच के 100 शिक्षकों का प्रशिक्षण शनिवार को सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण के संदर्भदाता एआरपी सन्तोष कुमार शुक्ल, काशीराम वर्मा, रवीश कुमार मिश्र, केआरपी श्री नारायन मिश्र और योगेश कुमार सिंह ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण में विभाग द्वारा निर्धारित मॉड्यूल के अनुसार प्रशिक्षण दिया। भाषा, गणित और अंग्रेजी की पुस्तक, संदर्शिका और कार्यपुस्तिका का उपयोग, टीएलएम का उपयोग, ब्लेंडिंग तथा ग्रिड का प्रभावी उपयोग, निपुण भारत मिशन के संशोधित लक्ष्यों का अवलोकन, रेमेडियल शिक्षण, प्रिंट रिच सामग्री का उपयोग आदि के बारे में विस्तार से बताया। बीईओ ने बताया कि एफएलएन प्रशिक्षण शिक्षकों को गणित और भाषा शिक्षण की नई तकनीकों और सामग्रियों से प्रशिक्षित करता है, जिससे बच्चों को बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक कौशल सिखाकर भाषा और गणित में दक्ष बनाया जा सके और वे दैनिक समस्याओं को हल करने में सक्षम हों।एआरपी रवीश कुमार मिश्र ने बताया कि पांचवे और छठवें बैच का प्रशिक्षण आगामी सोमवार से शुरू होगा। जिसमें 100 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कुल दस बैचों में 500 से अधिक शिक्षक प्रशिक्षित किए जाएंगे। प्रशिक्षण में कार्यालय के सुनील कुमार, राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, ऋषि सिंह, राकेश, दिवाकर सिंह ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

प्रशिक्षण में मुख्य रूप से मनीष पाण्डेय, भागवत सिंह, सूर्य प्रकाश सिंह, विवेक कान्त पाण्डेय, विपिन शुक्ल, चंद्रमणि वर्मा, अरविंद कुमार, प्रेम सागर, श्रवण कुमार, जय शंकर पाण्डेय, प्रवीण सिंह, आशीष सिंह, कन्हैया, राम भवन, बृजेन्द्र पाण्डेय, उपेन्द्र तिवारी, लवकुश त्रिपाठी, राज रतन, बृजेश तिवारी, उमाकांत सिंह, अमित मिश्र, सर्वेश वर्मा, अमित पाण्डेय, प्रकाश धर दूबे, राघवेंद्र पाण्डेय, अजीत वर्मा, अनिल कुमार, अजय वर्मा, प्रदीप गुप्ता, उदय शंकर पाण्डेय, सत्येन्द्र यादव, यशपाल, कृपा नंद, ऋषिकांत, संजय मिश्र, आकांक्षा सिंह, सरोज, सरस्वती, द्रोणिका मिश्रा, मोनी सिंह, सुधा, वन्दना, गायत्री देवी, अंजलि श्रीवास्तवा, पूनम शर्मा, नीतू सिंह आदि उपस्थित रहे।

भाषा और गणित छात्रों के सीखने की नींव- संजय शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

—समग्र शिक्षा के कार्यक्रमों की डायट में हुई मासिक समीक्षा बैठक

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में शनिवार को समग्र शिक्षा के अंतर्गत कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य ने कहा कि परिषदीय स्कूलों में भाषा और गणित पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि ये दोनों ही बच्चों के सीखने की नींव हैं और भविष्य के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कौशल प्रदान करते हैं। गणितीय समझ और भाषाई कौशल मिलकर बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को बढ़ाते हैं, सोचने, तर्क करने और समस्याओं को हल करने की क्षमता विकसित करते हैं। डायट प्राचार्य ने सभी बीईओ, एसआरजी, एआरपी को एक माह का लक्ष्य देते हुए कहा कि आप सभी योजना बनाकर अपने ब्लॉकों में शत प्रतिशत बच्चों आकलन करते हुए विस्तृत रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें। बीएसए अनूप कुमार तिवारी ने कहा कि सभी विद्यालयों में सुपर विजन और निरीक्षण पंजिका अवश्य रखें। हर शिक्षक और शिक्षामित्र की मोबाइल में निपुण लक्ष्य ऐप इंस्टाल हो और नियमित आकलन हो। बैठक के नोडल प्रवक्ता अलीउद्दीन और इमरान ने गणित ओलंपियाड, निपुण ब्लॉक आदि विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी साझा की गई। उन्होंने अगस्त माह में डायट मेंटर, एसआरजी और एआरपी द्वारा किए गए कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। सपोर्टिव सुपरविजन, स्पॉट असेसमेंट, शिक्षकों के साथ संवाद, समय सारिणी तथा पाठ्यक्रम, संदर्शिका, शिक्षक डायरी, प्रिंटरिच सामग्री, एक पेड़ मां के नाम, मासिक शिक्षक संकुल बैठक, आगामी माह की अकादमिक योजना आदि विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।एसआरजी आशीष श्रीवास्तव और अंगद पाण्डेय ने एआरपी के कार्यों में आ रही कठिनाइयों का निराकरण किया साथ ही पठन–पाठन के माहौल को बेहतर बनाने और विद्यालयों को तय समय में निपुण बनाने के तरीके साझा किए। विभिन्न ब्लॉकों के बीईओ और एआरपी ने सितंबर माह की कार्ययोजना के साथ ही विद्यालयों में पठन–पाठन के बेहतर माहौल बनाने के तरीके साझा किए।

इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनंद, ममता सिंह, विनोद त्रिपाठी, प्रभात श्रीवास्तव, सीपी गौड़, अरुण यादव, अशोक कुमार, ओंकारनाथ वर्मा, डीसी स्वप्निल कुमार श्रीवास्तव, एआरपी संतोष कुमार शुक्ल, काशीराम वर्मा, रवीश कुमार मिश्र, राजीव कुमार, प्रदीप गुप्ता, हरिकृष्ण उपाध्याय, बब्बन पाण्डेय, सन्तोष त्रिपाठी, आनन्द पाण्डेय, राहुल सिंह, ओम प्रकाश, रुक्मिणी मिश्रा, अंकित सिंह, शालू सिंह, गिरिजेश, गरिमा त्रिपाठी, ओंकार नाथ, अखण्ड सिंह, मनीष, जीतेन्द्र चौधरी, ज्ञानचंद्र तिवारी, अनुराग श्रीवास्तव, शिवनंदन मिश्र, गिरिजा बख्श सिंह, आशीष दूबे, बालमुकुंद, उमाशंकर पाण्डेय, अभिनव मिश्र, शिव बहादुर, रविशंकर मिश्र, अभिषेक, अनिल यादव, करुणेश पाण्डेय, अमित, विजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

सफाई कर्मियों ने सौंपा 10 सूत्रीय मांग पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष अजय आर्य के साथ कप्तानगंज के ब्लाक अध्यक्ष लालजी निषाद ने ब्लाक पदाधिकारियों की मौजूदगी में सहायक विकास अधिकारी पंचायत कप्तानगंज सुशील कुमार श्रीवास्तव को 10 सूत्रीय मांग पत्र देकर समस्याओं के निस्तारण की मांग किया।

10 सूत्रीय मांग पत्र में सफाई कर्मचारियों की डियूटी अवकाश के दिन न लगाये जाने, यदि अवकाश के दिन कार्य लिया जाय तो प्रतिकर अवकाश देने, ज्येष्ठता सूची जिला मुख्यालय पर भेजे जाने, प्रति माह बैठक कर समस्याओं का निस्तारण कराने, सफाई उपकरण उपलब्ध कराये जाने, विकास खण्ड स्तर पर समायोजन, गौशाला में सफाई कर्मचारियों की डियूटी न लगाये जाने, मौखिक या मोबाइल के माध्यम से डियूटी न लगाये जाने, सफाई कर्मचारियों का पेरोल जिला मुख्यालय पर भेजने से पहले संघ पदाधिकारियों को अवगत कराने, पेरोल जिला मुख्यालय पर माह के 25 तारीख को भेजे जाने आदि की मांग शामिल है।

मांग पत्र देने के बाद संघ जिलाध्यक्ष अजय आर्य और कप्तानगंज के ब्लाक अध्यक्ष लालजी निषाद ने कहा कि मांगे न मानी गई तो संघ आन्दोलन को बाध्य होगा। मांग पत्र देने के दौरान गुरू प्रसाद, राम सुरेश पाण्डेय, राम रमण, शिव मूरत, चन्द्रशेखर, अशोक कुमार चौहान, उमेश चन्द्र, घनश्याम आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 31 अगस्त 2025 रविवार

सम्पादकीय

कोचिंग का कारोबार और शिक्षा

हाल के दिनों में कोचिंग का तेजी से बढ़ता प्रचलन अभिभावकों के बजट को बिगाड़ रहा है। छात्रों का कोचिंग जाना धीरे–धीरे अपरिहार्य माना जाने लगा है। जिसके चलते माता–पिता को अपने अन्य जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। हाल ही में भारत सरकार के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि देश भर के लगभग हर चार में से एक स्कूली छात्र ने इस वर्ष निजी कोचिंग ली। कुल मिलाकर देश के 27 फीसदी विद्यार्थी निजी कोचिंग लेते हैं। यह प्रतिशत शहरों में ज्यादा है, जो सर्वे में करीब 31 फीसदी पाया गया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की तुलना में कम–25 फीसदी पाया गया है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में यह कोई वैकल्पिक सुविधा नहीं है बल्कि शिक्षा प्रणाली की विसंगतियों से अपने बच्चों को उबारकर उनके बेहतर भविष्य की आस का जरिया है। उस स्थिति से उबरने की कोशिश है जो छात्रों को परीक्षा से पूर्व तनाव व परेशानी में धकेल देती है। केंद्र सरकार के व्यापक वार्षिक माड्यूलर सर्वेक्षण यानी सीएमएस में खुलासा हुआ है कि शहरी परिवार कोचिंग पर साल में औसतन चार हजार रुपये खर्च करते हैं। वहीं उच्चतर माध्यमिक छात्रों के लिये राशि बढ़कर दस हजार रुपये हो जाती है। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च कम हो जाता है। लेकिन फिर भी परिवार की आय पर दबाव जरूर बनाता है। कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (शिक्षा) के ये आंकड़े एक सच्चाई को उजागर करते हैं कि स्कूली पढ़ाई छात्रों की सभी जिज्ञासाओं को शांत नहीं कर पाती। यानी स्कूल छात्रों की परीक्षाओं के लिये अपेक्षित आत्मविश्वास प्रदान करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहे हैं। जाहिर बात है कि यदि स्कूलों में पढ़ाई छात्राओं की आकांक्षाओं के अनुरूप हो और उनकी जिज्ञासा कक्षा की पढ़ाई के दौरान शांत हो जाए, तो वे कोचिंग की आवश्यकता महसूस नहीं करेंगे।

सर्वे बताता है कि आज देश में 56 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में शिक्षा ले रहे हैं। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह संख्या दो दिहाई है। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में कोचिंग का बढ़ता प्रचलन आकांक्षाओं से ज्यादा व्यवस्थागत कमजोरी का संकेत है। वहीं पंजाब और हरियाण में,यह प्रचलन ज्यादा है जहां बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं का अधिक दबाव हावी रहता है। जिसके चलते कुकरमुत्तों की तरह कोचिंग सेंटर उग रहे हैं। नतीजा साफ है कि कक्षाओं में ठीक से पढ़ाई न होने के कारण छात्रों का ध्यान व पैसा स्कूल के समानांतर चलाए जा रहे कोचिंग सेंटरों को जा रहा है। कोचिंग सेंटर, जिनका मकसद सिर्फ मुनाफा जुटाना ही है, वे समाज में एक कृत्रिम स्पर्धा ट्यूशन पढ़ने व न पढ़ने वाले छात्रों के बीच पैदा कर रहे हैं। पारिवरिक परिस्थितियों के चलते ट्यूशन न पढ़ने वाले छात्र असुरक्षा व हीन भावना के शिकार हो जाते हैं। दरअसल, इस समस्या का समाधान कोचिंग को बाजार हिस्सा मानकर नहीं किया जा सकता है। प्रतिबंध या सीमाएं निर्धारण से भी समस्या का समाधान करने के बजाय हम इस मुद्दे को और जटिल बना देंगे। बेहतर होगा कि स्कूल में कमजोर छात्रों को स्कूल के समय बाद अतिरिक्त कक्षाओं के जरिये मजबूती प्रदान की जाए। खासकर बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल हो रहे छात्रों पर अधिक ध्यान व समय देकर स्कूल प्रबंधक रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी नहीं पड़ेगा। अधिक विषयों के लिये योग्य शिक्षकों की नियुक्ति व रटने के बजाय समझने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देकर भी कोचिंग प्रथा को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही स्कूलों में छात्रों का मध्यावधि मूल्यांकन भी मददगार साबित हो सकता है। राज्य बोर्डों को भी छात्रों के ज्ञान के मूल्यांकन को नया स्वरूप देना चाहिए। वे छात्रों को समझ और व्यावहारिक ज्ञान देने को प्राथमिकता दें बजाय कि रटने की प्रवृत्ति को बढ़ाने की। यदि निजी कोचिंग अपरिहार्य है तो कम आय वाले छात्रों के लिये आर्थिक सहायता नैसर्गिक न्याय करेगी। इससे शिक्षा के क्षेत्र में समानता लाना संभव है। अन्यथा कोचिंग का दायरा बढ़ता ही रहेगा। अन्यथा असमानता बढ़ेगी और कक्षाओं में छात्रों की भागीदारी कम होती जाएगी।

संघ प्रमुख मोहन भागवत के शताब्दी संदेशों का निहितार्थ

—कमलेश पाण्डेय—

देश दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर अगले एक वर्ष तक विभिन्न प्रबुद्ध कार्यक्रम व अभियान चलाने वाला है ताकि भारतीय सभ्यता–संस्कृति पर आधारित हिन्दू राष्ट्र के व्यापक दर्शन और उसमें अंतर्निहित महान सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक जनसरोकारों से जन–जन को सुपरिचित कराया जा सके। इस नजरिए से नई दिल्ली के प्रतिष्ठित विज्ञान भवन समागार में अपने कर्मठ समाजसेवी लोगों को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जो कुछ भी कहा, उन शताब्दी संदेशों के सामाजिक–सांस्कृतिक मायने को समझने–समझाने की जरूरत है ताकि भव्य व मजबूत भारत का पुनरुत्थान संभव हो सके। यही बात शेष दुनिया पर भी लागू हो सकती है। इसलिए उन पर न केवल भारत सरकार बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ से जुड़े सभी देशों के राष्ट्राध्यक्ष को भी गौर करना चाहिए और अपनी प्रशासनिक नीतियों में उन्हें वरीयता दी जानी चाहिए।

दरअसल, संघप्रमुख मोहन भागवत ने जो कुछ कहा और भारत के समग्र हित में जो कुछ नहीं कह पाए, उसे समझने–समझाने की जरूरत है। उनके उर्वर लोक दर्शन को जन जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है, ताकि सबका भला हो सके। आप मानें या न मानें, उनकी इन बातों में दम है कि उपभोक्तावाद की वृद्धि के कारण दुनिया में पाप, दुःख और संघर्ष बढ़ रहा है। इसलिए जनसेवा और त्याग जैसे धार्मिक संस्कारों से ही उनका सम्यक मुकाबला किया जा सकता है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि वोक कल्चर पूरी दुनिया पर छा रहा संकट है, क्योंकि लोग अपने अलावा किसी दूसरे की ओर नहीं देख रहे हैं। इससे बचने के लिए लोगों को केवल धर्म का मार्ग अपनाना चाहिए।

मोहन भागवत ने 'हिंदुत्व' की परिभाषा पर भी विस्तार से बात करते हुए समझाया कि, हिंदुत्व या हिंदुपन क्या है? अगर इसे संक्षेप में कहना हो तो दो शब्द हैं सत्य और प्रेम। दुनिया का संचालन एकता से होता है, सौदेबाजी और अनुबंधों से नहीं। चूंकि हिंदुस्तान का जीवन मिशन विश्व कल्याण है। उनका कहना था कि विकास की दौड़ में दुनिया ने भीतर झांकना छोड़ दिया है। अगर भीतर खोज होगी तो ऐसी अनंत खुशी मिलेगी जो कभी खत्म नहीं होगी। यही मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य है। इससे ही पूरी दुनिया में शांति और सौहार्द का माहौल बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुत्व किसी एक संप्रदाय या समुदाय की विचारधारा नहीं है, बल्कि यह वह सोच है जो सत्य और प्रेम पर आधारित होकर सबको साथ लेकर चलती है। अगर यही मार्ग अपनाया जाए तो दुनिया के संघर्ष खत्म हो जाएंगे और सच्चा सुख–शांति स्थापित होगी।

लिहाजा, सम्भव है कि भागवत के सम्पूर्ण शताब्दी उपदेश का भविष्य में कुछ सकारात्मक असर हो सकता है। पहला, भाजपा–विरोधी दलों का आरोप कमजोर हो सकता है कि हिंदू राष्ट्र सिर्फ सत्ता हथियाने का औजार है, जबकि भाजपा की प्राथमिकता राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास है। दूसरा, भाजपा को अपनी भाषा और नीतियों में "समावेशिता" दिखानी पड़ सकती है। इससे उत्तर के साथ साथ दक्षिण में भी उसका विस्तार संभव है। तीसरा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संदेश भी जाएगा कि भारत का राष्ट्रवाद अधिनायकवादी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और समावेशी है। इसमें ग्लोबल साउथ का भी हित निहित है जो कि दलित–पिछड़े देशों का समूह है।

सामाजिक विविधता और उससे संघर्ष की आशंका पर सवाल उठते हुए मोहन भागवत ने स्पष्ट कहा कि समाज में जीवन में विविधता है, लेकिन सबको साथ लेकर चलना है और इसके लिए सबके बीच समन्वय स्थापित करना है। इसके लिए कई बार कुछ त्याग भी करना पड़ता है जिसके लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म सदैव सार्वकालिक सुखदाई होता है। यदि कोई वस्तु दुखदाई है तो वह धर्म नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मरने के बाद अलग–अलग वर्गों के लिए अलग श्मशान होने की सोच को स्वीकार नहीं किया जा सकता। सबको साथ लेकर देश को मजबूत बनाएंगे।

बढ़ते उपभोक्तावाद पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि उपभोक्तावाद की वृद्धि के कारण दुनिया में पाप, दुःख और संघर्ष बढ़ रहा है। वोक कल्चर पूरी दुनिया पर छा रहा संकट है। क्योंकि लोग अपने अलावा किसी दूसरे की ओर नहीं देख रहे हैं। इससे बचने के लिए लोगों को केवल धर्म का मार्ग अपनाना चाहिए। यह धर्म लोगों को हमेशा मध्यम मार्ग पर बनाए रखता है और इससे आपस में संघर्ष पैदा नहीं होता। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के शब्दों में दोहराया कि, भारत के पास धर्म है जिसे उसे समय–समय पर दुनिया को देनी चाहिए। धर्म शाश्वत है। उन्होंने कहा कि धर्म मूल तत्व है जो स्वभाव होता है। इसका धर्मांतरण नहीं किया जा सकता।

आरएसएस के जनोपयोगी सोच को जन जन तक पहुंचाने की बात करते हुए मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस का लक्ष्य यह है कि जो संघ में हो रहा है, वह परिवार और समाज में भी हो। इसके लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि समाचारों की दुनिया से भारत को नहीं समझा जा सकता। समाचारों में जितना गलत दिखाई देता है, उससे 40 गुना अधिक अच्छा समाज के बीच हो रहा है। इसलिए समाज को संगठित करने के लिए जातिगत भेदभाव को यथाशीघ्र समाप्त करना चाहिए। इसके लिए स्वयंसेवकों को अपने आसपास की बस्तियों तक पहुंचना चाहिए। क्योंकि जब तक समाज में आपसी अविश्वास और भेदभाव हो, उसे समाप्त किए बिना संघ मजबूत नहीं हो सकता।

समाज के पददलितों की चिंता को स्वर देते हुए भागवत ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों का सहयोग एक स्वाभाविक कार्य हो जाना चाहिए। पारस्परिक दूरियों को पाटने के लिए दोनों वर्गों से काम किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा इतिहास और संस्कृति एक ही है। केवल नक्शे पर रेखाएं खिंचने से नए–नए देश बन गए हैं, लेकिन पूर्व में उनकी संस्कृति भी एक ही रही है। दूसरे देशों को जोड़ने का कार्य सबसे पहले पड़ोसी देशों से शुरू होना चाहिए। उनके साथ भी आत्मीय संबंध बनाकर उनके विकास की भी चिंता होनी चाहिए।

युवाओं को लक्षित करते हुए मोहन भागवत ने ठीक ही कहा है कि आज युवाओं की सोच निजी स्तर पर केंद्रित होती जा रही है, जिसके दुष्परिणाम दिखाई दे रहे हैं। लिहाजा इसे ठीक करना है तो इसके लिए कुटुंब प्रबोधन करना चाहिए। इसके अंतर्गत सप्ताह में एक बार एक समय पर बैठकर भोजन करना और अपनी धर्म–संस्कृति पर चर्चा करनी चाहिए। इस बैठक में यह भी चिंता करनी चाहिए कि जिस धर्म और समाज से हम हैं, उसके लिए हम क्या कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सामाजिक समरसता के लिए परिवारों को आपस में जोड़ने की कोशिश करनी चाहिए। मरने के बाद श्मशान का भेद समाज के लिए सही नहीं है। उन्होंने कहा कि अपने घर में भोजन, भजन, वस्त्र सब कुछ अपनी परंपरा के अनुसार होना चाहिए। युवाओं का आह्वान करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि अपनी बातों को मनवाने के लिए हिंसात्मक तरीका नहीं अपनाना चाहिए। क्योंकि इसका उपयोग करके लोग देश को तोड़ने का काम करते हैं।–(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बचपन की सेहत के लिये स्क्रीन बना खतरा

—क्षमा शर्मा—

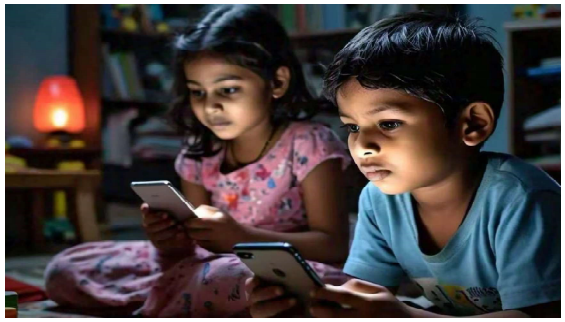

स्वीडन ने स्कूलों में स्क्रीन को बैन कर दिया। अब वहां किताबों की वापसी हो रही है। बच्चे सिर्फ किताबों से ही पढ़ेंगे। स्वीडन ने सुधारा, बाकी देश कब सुधारेंगे, वक्त बताएगा। अपने देश में तो अधिकांश दल अपने–अपने घोषणा पत्रों में बच्चों को लैपटाप और मोबाइल देने की बातें करते हैं। नौ साल के एक बच्चे की अचानक भूख कम हो गई। उसने खेलना छोड़ दिया। स्कूल का होमवर्क बंद कर दिया। रात भर सोता भी नहीं था। बस मोबाइल देखता रहता, स्कूल भी नहीं जाना चाहता था। उसके नम्बर भी बहुत कम आ रहे थे। जब माता–पिता ने डाक्टर से सलाह ली और डाक्टर ने उसका स्क्रीन टाइम कम करने को कहा तो माता–पिता ने उससे मोबाइल ले लिया। बच्चे को इस बात पर इतना गुस्सा आया कि चाकू से उसने अपने हाथ की नस काट डाली। जब उसे अस्पताल में दाखिल कराया तो उसमें गहरे अवसाद के लक्षण भी पाए गए। यह अवसाद स्क्रीन पर अधिक समय बिताने के कारण हुआ था। इलाज से धीरे–धीरे उसका मूड ठीक हुआ। नींद आने लगी। अपने स्कूल के कामों में भी मन लगाने लगा।

ऐसे ही एक दूसरे मामले में पंद्रह साल की एक बच्ची जो हमेशा अपनी कक्षा में टॉप करती थी, लेकिन धीरे–धीरे उसने पढ़ना–लिखना, दोस्तों से मिलना सब छोड़ दिया। रात में तीन, चार बजे तक वीडियो देखती रहती। उसे लगातार स्क्रीन देखने के कारण गम्भीर अनिद्रा रोग हो गया था।

इसी तरह तीसरी कक्षा में पढ़ने वाला एक बच्चा छोटी–छोटी बात पर गुस्से से भर जाता। चीजों को तोड़ने–फोड़ने लगता। गालियां देने लगता। उसे भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां तक कि उसका स्कूल भी बदलना पड़ा। डाक्टरों ने जब इलाज के दौरान माता–पिता से बातचीत की तो पता चला कि मां हर समय वीडियो और रील्स बनाने में व्यस्त रहती थी।

उन्नीस साल का एक लड़का बारह–बारह घंटे मोबाइल गेम खेलता था। साल भर तक वह ऐसा ही करता रहा। उसने किसी से बातचीत करना, बाहर जाना , लोगों से मिलना , जुलना सब कुछ छोड़ दिया था। हर वक्त बैठे रहने से उसकी रीढ़ की हड्डी में समस्या हो गई। दूसरी समस्याएं भी आ गईं। जैसे कि वह जहां, तहां मूत्र विसर्जित कर देता। जब उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, वह ठीक से चल भी नहीं सकता था। उसकी रीढ़ की हड्डी का मुश्किल भरा आपरेशन करना पड़ा।

ये सारे आंकड़े महानगर के हैं, कल्पना कीजिए कि हमारे देश के दूर–दराज के इलाकों में क्या होता होगा, क्योंकि गांवों में भी मोबाइल पर समय बिताने का एडिक्शन बढ़ता जा रहा है। वहां तो महानगरों जैसी चिकित्सा सुविधाएं भी मौजूद नहीं हैं। इस लेखिका ने कुछ साल पहले अपने गांव में देखा था कि वहां लोग अपने आसपास वालों से भी बातें नहीं करते। वे गांव जहां चौपाल संस्कृति थी, लोग एक–दूसरे से मिलते, जुलते थे, बातचीत करते थे, सुख–दुःख पूछते थे, वह संस्कृति गायब हो गई है। पहले इसका बड़ा हिस्सा टीवी ने गायब किया और अब मोबाइल ने तो जैसे सर्वनाश ही कर दिया।

बच्चों, किशोरों में बढ़ती स्क्रीन टाइम की समस्या से पूरा विश्व परेशान है। आस्ट्रेलिया ने तो सोलह साल से कम उम्र के बच्चों के लिए मोबाइल रखना भी बैन कर दिया है। बहुत से दूसरे देश भी ऐसा ही करने की सोच रहे हैं। स्वीडन में डेढ़ दशक पहले किताबों को स्कूलों से बिल्कुल गायब कर दिया था। छोटी से छोटी कक्षा का बच्चा स्क्रीन से ही पढ़ रहा था। लेकिन वहां पाया गया कि इससे बच्चों में नया कुछ सीखने की क्षमता घट रही थी। वे आंखों से लेकर शरीर के अन्य तमाम अंगों के रोगों के शिकार भी हो रहे थे। उनका गुस्सा बढ़ रहा था। वे हिंसक हो रहे थे। अंततः स्वीडन ने स्कूलों में स्क्रीन को बैन कर दिया। अब वहां किताबों की वापसी हो रही है। बच्चे सिर्फ किताबों से ही पढ़ेंगे। स्वीडन ने सुधारा , बाकी देश कब सुधारेंगे, वक्त बताएगा। अपने देश में तो हाल यह है कि अधिकांश दल अपने–अपने घोषणा पत्रों में बच्चों को लैपटॉप और मोबाइल देने की बातें करते हैं। कभी चुनाव हारनेजीतने के मुकाबले दलों को बच्चों और देश के भविष्य के बारे में बात करनी चाहिए। हद तो ये है कि माता–पिता अपने शिशुओं के हाथों में मोबाइल पकड़ा देते हैं और बहुत गौरव से वीडियो और रील बनाते हैं। बताते हैं कि उनका तो इतना छोटा बच्चा ही मोबाइल चलाना जानता है।

ऊपर जिन केसेज का जिक्र किया गया है, वे मनोवैज्ञानिक और डाक्टरों द्वारा ही बताए गए हैं। कुछ माह पहले अपने एक परिचित मनोवैज्ञानिक से मिलने गई थी। उनका क्लीनिक दक्षिण दिल्ली के एक बहुत पाश इलाके में है। वहां बैठकर उनका इंतजार कर रही थी। ये मित्र कुछ उम्र दराज हैं। एक दूसरे डाक्टर बहुत युवा हैं। उनके पास छोटे बच्चे भी आते हैं। जब रिसेप्शनिस्ट से पूछा कि क्या यहां बहुत छोटे बच्चे भी आते हैं। तो उन्होंने कहा कि हां आठ साल तक के बच्चे आते हैं। कितने पूछने पर कहा कि खूब आते हैं। यह संख्या बढ़ती ही जा रही है।

चिकित्सकों का यह भी मानना है कि ऐसे बच्चों में आत्महत्या के विचार भी तेजी से आते हैं। इसलिए इनके बदले व्यवहार से सावधान रहना चाहिए। चिकित्सकों से भी जरूरी सलाह लेनी चाहिए। बच्चों को डिजिटली परेशान भी किया जाता है। कई बच्चों ने स्कूलों में अपनी कहानी बताई भी थी। बहुत से स्कूल मोबाइल फोन्स पर रोक लगा चुके हैं मगर इससे भी समस्या सुलझती नहीं है क्योंकि स्कूल घरों की निगरानी तो कर नहीं सकते कि बच्चे वहां क्या कर रहे हैं। यह काम तो माता–पिता तथा अन्य परिजनों का है।

इसी साल फरवरी में दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा था कि स्कूलों में मोबाइल फोन को बैन नहीं किया जा सकता। हां स्कूलों को यह प्रविधि विकसित करनी चाहिए कि वे बच्चों को बताएं कि वे कैसे सही तरीके से इस्तेमाल करें। इसे कितना समय दें जिससे कि उनकी अन्य गतिविधियों पर कोई असर न पड़े। स्कूल उन्हें सुरक्षित तरीके से अपने पास रखें और लौटा दें। मोबाइल को सिर्फ भोजन की छुट्टी आदि में ही इस्तेमाल करें। बच्चों को इसके फायदे, नुकसान बताने के लिए काउंसलिंग भी की जा सकती है। इस आदेश को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों के लिए आदेश जारी किया था कि वे स्मार्टफोन के उपयोग की पॉलिसी बनाएं। इसीलिए कई स्कूल अब सिर्फ नम्बर वाले फोन के उपयोग की सहमति दे रहे हैं। जिससे कि किसी आपात स्थिति में उन्हें इस्तेमाल किया जा सके। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस दौर में बच्चों के हाथ में मोबाइल चुनौतियां और अधिक बढ़ा सकता है। इसके अलावा सिर्फ सरकारी स्कूल ही क्यों, निजी स्कूलों में भी बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ते हैं। उनकी सुरक्षा भी जरूरी है। बच्चों का स्क्रीन टाइम कैसे कम किया जाए, इसके लिए माता–पिता को प्रशिक्षण देना भी शुरू किया गया है। डिजिटल समय पर लगभग कर्फ्यू लगाने की बात बताई जाती है। व्यवहार संबंधी परिवर्तनों से कैसे निपटें यह बताया जाता है। बच्चे क्या देख रहे हैं, माता–पिता इस पर भी ध्यान दें।

जाना था जापान, पहुंच गए चीन..?

—अभिनव आकाश—

हम थे वो थी और समां रंगीन समझ गए न, जाना था जापान पहुंच गए चीन समझ गए न। याने याने याने..ऑब्जेक्ट्स इन द मिरर ऑर क्लोजर देन दे अपीयर यानी जो चीज जैसी दिख रही है। वैसी हो जरूरी तो नहीं। अपने ही डेलूलू में खोए ट्रंप के अरमानों को पलीता लगाने का तरीका तो हमें ही खोजना था और ये खोज चीन पर जाकर थमती हुई दिख रही है क्या? नए साझेदारियों की संभावनाएं तलाशी जा रही है। सात साल बाद प्रधानमंत्री का चीन दौरा होने जा रहा है। हमें अपने फौरी हित भी देखने हैं और फौजी इतिहास भी देखना है और किसी को ये संदेश हरगिज ही नहीं देना है कि हम चीन के भरोसे बैठे हैं। अमेरिकी टैरिफ से मची वैश्विक उथल–पुथल के बीच जापान दौरा पूरा कर पीएम मोदी चीन के लिए रवाना हो गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन में रहेंगे, जहां वह तियानजिन में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन समिट में शामिल होंगे। तानाशाह, लोकलुभावन, मित्र और शत्रु, यूरोप में युद्ध छेड़ने वाला एक ताकतवर व्यक्ति और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता, सभी की इस सप्ताहांत चीनी नेता शी जिनपिंग द्वारा एक शिखर सम्मेलन में मेजबानी की जाएगी, जिसका उद्देश्य बीजिंग को एक ऐसे वैश्विक नेता के रूप में प्रदर्शित करना है जो पश्चिमी संस्थानों को प्रतिकार प्रदान करने में सक्षम है। भारत और चीन के बीच 2020 में गलवान घाटी में हुआ गतिरोध 40 वर्षों में सबसे भीषण सीमा संघर्ष था, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों के सैनिकों की जान चली गई। इस घटना ने तनाव को तेजी से बढ़ा दिया और द्विपक्षीय संबंधों को ऐतिहासिक रूप से निम्नतम स्तर पर पहुँचा दिया। मोदी और शी इससे पहले 2024 में रूस के कजान और 2023 में दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में आयोजित में ब्रिक्स सम्मेलन मुलाकात कर चुके हैं। बीते हफ्ते ही चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो के सदस्य और चीनी विदेश मंत्री वांग यी सीमा मामलों के विशेष प्रतिनिधियों की 24वीं बैठक में शामिल होने भारत दौरे पर आए थे।

मोदी की यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों में और मधुरता आने का प्रतीक है। चीन ने मोदी की यात्रा के प्रति अपनी उत्सुकता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा था, 'चीन एससीओ तियानजिन शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी का चीन में स्वागत करता है। जियाकुन ने कहा कि यह बैठक इएकजुटता और मित्रताश का एक उदाहरण होगी। उन्होंने कहा कि एससीओ उच्च–गुणवत्ता वाले विकास के एक नए चरण में प्रवेश करेगा जिसमें अधिक एकजुटता, समन्वय, गतिशीलता और उत्पादकता होगी। मोदी और शी की आखिरी मुलाकात 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी, जिसने संबंधों में नरमी की दिशा में एक नया आयाम जोड़ा था। भारत ने अब चीनी नागरिकों को वीजा जारी करना शुरू कर दिया है। इस बीच, सदभावना के प्रतीक के रूप में कैलाश मानसरोवर यात्रा भी फिर से शुरू हो गई है। दोनों देश इस सितंबर से सीधी उड़ानें भी शुरू करने पर विचार कर रहे हैं, जो कोविड महामारी के दौरान और फिर गलवान घाटी में झड़प के बाद रोक दी गई थीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित कई शीर्ष भारतीय अधिकारियों ने हाल ही में चीन का दौरा किया है।

मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात सीमा वार्ता में प्रगति को भी बढ़ावा दे सकती है। 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद भारत और चीन के रिश्ते बेहद खराब हो गए थे। अक्टूबर में डेमचोक और देपसांग से पीछे हटने के समझौते पर अंतिम रूप दिए जाने के बाद यह गतिरोध समाप्त हुआ। भारत और चीन ने पिछले कुछ वर्षों में अपने संबंधों को सुधारने की कोशिश की है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी की हाल ही में भारत यात्रा के बाद, विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि यह कैसे किया जा सकता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अनिर्धारित सीमा पर क्षेत्रों की पहचान जैसे छोटे मुद्दों को सुलझाकर ऐसा किया जा सकता है, और ज्यादा कठिन बातचीत को बाद के लिए छोड़ दिया जा सकता है। दोनों नेताओं के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कम करने पर और चर्चा होने की संभावना है। हालांकि किसी को भी सीमा विवाद के सुलझने की उम्मीद नहीं है, लेकिन विश्वास बनाने के लिए सही दिशा में कदम उठाए जा सकते हैं।

आरएसएस नेता के बेटे की क्रूर हत्या पर भड़का गुस्सा, बुलडोजर ऐक्शन की मांग पर अड़े

संवाददाता–कुशीनगर। कुबेर स्थान थाना क्षेत्र के सेमरा गांव में शुक्रवार की शाम को खेत में पशु चराने को लेकर हुए झगड़े में दबंगों ने आरएसएस के जिला सह संघ चालक के बेटे उत्कर्ष सिंह को घेर कर क्रूरता से हत्या कर दी। मनबढ़ों ने उत्कर्ष का पीछा किया और घर घेर लिया। उन्होंने फरसे और लाठी–डंडे से हमला कर मार डाला। यही नहीं बड़ी निर्ममता से उसकी आंखें फोड़ डालीं और कान काट दिए। पुलिस ने परिवारीजनों की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया था जबकि एक आरोपी अभी फरार है। इस हत्याकांड को लेकर शनिवार को गांववालों का गुस्सा भड़क गया। वे हत्यारोपियों के घर बुलडोजर ऐक्शन की मांग पर अड़ गए। ग्रामीणों ने करीब ढाई घंटे तक शव को रोके रखा। बाद में एसडीएम सदर ने ज्ञापन लेने के बाद सभी मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया तब जाकर परिवारीजन दाह संस्कार को राजी हुए।

आरएसएस के जिला सह संघ चालक इंद्रजीत सिंह के छोटे बेटे उत्कर्ष सिंह (उम्र 40 वर्ष) अखिल भारतीय गहरवार क्षत्रिय महासभ के जिला संगठन मंत्री थे। शाम को किसी ने उन्हें खेत में पशुओं के चरने की सूचना दी। वह तत्काल खेत पर पहुंचे। खेत में पशुओं को चरते देख उत्कर्ष ने पास में झोपड़ी डालकर रहने वाले परिवार से इस पर एतराज जताया। इसे लेकर उनके बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते मारपीट होने लगी। इंद्रजीत सिंह ने पुलिस को बताया कि गांव के ही कन्हई यादव के चार बेटे वहां झोपड़ी डालकर रहते हैं। पशु उन्हीं की थे। चारों ने मिलकर उत्कर्ष पर हमला कर दिया। दबंगों के हमले से बचने के लिए उत्कर्ष भागे तो पीछे से चारों ने फरसे और लाठी–डंडे लेकर दौड़ा लिया। गांव में घेर लिया और सिर, चेहरे, आंख और शरीर पर कई जगह गंभीर वार कर दिए। उत्कर्ष के जमीन गिर जाने के बाद भी चारों उनका गला दबाकर बैठे रहे। मौके पर पुलिस पहुंची तो चारों आरोपी वहीं मौजूद थे। पुलिस ने गंभीर हालत में उत्कर्ष को मेडिकल कॉलेज पडरौना पहुंचाया, जहां देखते ही डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। चौथा फरार हो गया।

उत्कर्ष सिंह की नृशंस हत्या से पूरा सेमरा गांव दहल गया है। ग्रामीणों के अनुसार हत्यारों पर इस कदर खून सवार था कि वह किसी को बीच बचाव करने तक के लिए फटकने नहीं दे रहे थे। गांव के बीच में युवक को घेर कर मार रहे थे और पुलिस के आने तक जमीन पर गिरे युवक का गला दबाकर बैठे रहे। पुलिस ने तीन को हिरासत में लिया तब जाकर अचेत हो चुके युवक को अस्पताल ले जाया जा सका। क्रूरता पूर्वक हत्या के मामले उत्कर्ष सिंह के शव का शनिवार को सुबह डॉक्टरों के पैनल की देखरेख में पोस्ट मार्टम हुआ। इसके बाद शव कुबेरस्थान थाने के सेमरा हरदो गांव पहुंचा तो ग्रामीणों ने शव नीचे उतरने से रोक दिया। हत्यारों के घर पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग शुरू हो गई। मौके पर पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से मांग पत्र लिखकर देने को कहा।

शव पहुंचने पर ग्रामीणों में भारी गुस्सा दिखा। ग्रामीणों ने बताया कि जिस परिवार के लोगों पर हत्या का आरोप है उन्हें कभी उत्कर्ष के पुरखों ने ही गांव में अपनी जमीन देकर बसाया था। अब भी वह जमीन दूसरे के नाम पर है, जहां गांव में इनका घर है। ग्रामीणों ने मकान पर बुलडोजर चलाने की मांग की।

कुशीनगर के सेमरा हरदो गांव के उत्कर्ष हत्याकांड मामले में ग्रामीणों ने ढाई घंटे तक शव को रोके रखा। एसडीएम सादर ने ज्ञापन लेने के बाद सभी मांगो पर कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को दाह संस्कार के लिए तैयार किया।

ग्रामीणों ने मांग पत्र में कहा है कि हत्यारोपियों की मकान गांव में सरकारी भूमि और एक अन्य व्यक्ति के नाम की जमीन पर है। उसे खाली कराया जाए। मृतक की पत्नी को नौकरी दी जाए। इसके साथ ही लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

अनामिका शुक्ला केस में बीएसए और लिपिक राहत नहीं

संवाददाता–गोण्डा। अनामिका शुक्ला प्रकरण में बीएसए समेत आठ लोगों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर दर्ज मुकदमे को लेकर नई जानकारी सामने आई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल तिवारी और पटल लिपिक सुधीर कुमार सिंह ने एफआईआर रद्द करने की मांग के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। दोनों याचिकाओं पर कल सुनवाई नहीं हो सकी अब इन पर सोमवार 1 सितंबर को कोर्ट नंबर 9 में जस्टिस राजेश सिंह चौहान सुनवाई करेंगे। जिससे फिलहाल अभी तक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और पटल लिपिक बेसिक शिक्षा सुधीर कुमार सिंह को राहत नहीं मिली है। याचिकाकर्ताओं ने एडिशनल चीफ सेक्रेटरी गृह विभाग उत्तर प्रदेश, एसपी गोंडा, कोतवाली नगर और वादी प्रदीप कुमार पांडे को पार्टी बनाया है। इस बीच नगर कोतवाली पुलिस ने वादी प्रदीप कुमार पांडे को बयान के लिए बुलाया है। माता की खराब तबीयत के कारण वे अभी तक बयान देने नहीं पहुंच पाए हैं। जिला बेसिक शिक्षा विभाग ने भी पुलिस को अभी तक कोई दस्तावेज नहीं सौंपे हैं। नगर कोतवाल विवेक त्रिवेदी के अनुसार, विवेचक शुभम दुबे मामले की जांच कर रहे हैं। साक्ष्य के आधार पर जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीसीटीवी कैमरों की 24 घंटे निगरानी, जिला मुख्यालय में कमांड सेंटर शुरू

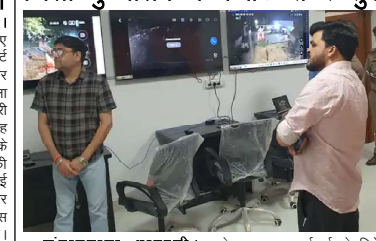

संवाददाता–श्रावस्ती। आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कमांड एंड कंट्रोल सेंटर मुख्यालय भिनगा कलेक्ट्रेट में स्थापित किया गया है। वहीं यह सेंटर जिलाधिकारी कार्यालय में स्थित किया गया है।

दरअसल जनपद में ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के तहत अब तक कुल 1370 सीसीटीवी कैमरे अलग–अलग जगह पर लगाए गए हैं। इन कैमरों को कंट्रोल रूम से जोड़ने का काम तेजी से चल रहा है। कंट्रोल रूम से सार्वजनिक स्थान, बाजार, चौराहे और संवेदनशील स्थलों की 24 घंटे निगरानी की जाएगी।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। दरअसल किसी भी संभावित परिस्थितियों में तीसरी आंख से काफी मदद मिलेगी। और समय से कानूनी प्रक्रिया को और तीव्र गति से किया जा सकेगा।

आपको बताते चलें की यह पूरी व्यवस्था आपरेशन त्रिनेत्र के तहत की गई है। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और भी अधिक मजबूत किया जायेगा। कैमरों की रीयल–टाइम मॉनिटरिंग से कानून–व्यवस्था को और ज्यादा प्रभावी बनाया जा सकेगा।

निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी प्रवीण यादव, पुलिस क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश शर्मा और ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर शरद श्रीवास्तव सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

एंटी करप्शन टीम ने कानूनगो को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार, पैमाइश के लिए मांगी थी रकम

संवाददाता–देवरिया। गोरखपुर की एंटी करप्शन टीम ने देवरिया सदर तहसील में एक राजस्व निरीक्षक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी राजस्व निरीक्षक शैलेष गोरखपुर के सहजनवां थाना क्षेत्र के सहरी गांव का रहने वाला है। हरपुर गांव निवासी ज्वाला यादव ने जुलाई में अपनी जमीन की पैमाइश के लिए तहसील में आवेदन किया था। उच्चाधिकारियों के आदेश के बावजूद कानूनगो ने कार्रवाई को टाल दिया। उसने पैमाइश के लिए 10 हजार रुपये की मांग कर दी। परेशान होकर ज्वाला यादव ने एंटी करप्शन विभाग गोरखपुर में शिकायत की। शिकायत की पुष्टि के बाद टीम ने जाल बिछाया। शनिवार को ज्वाला यादव रिश्वत की रकम लेकर तहसील पहुंचे। कानूनगो उन्हें एक दुकान पर ले गया। वहां उसने रकम लेकर एक पैकेट में रख ली।

इसी दौरान प्रभारी अधिकारी शिव मनोहर यादव के नेतृत्व में एंटी करप्शन की टीम ने आरोपी को पकड़ लिया। टीम ने उसे तुरंत हिरासत में लेकर सदर कोतवाली भेजा। वहां उससे पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई से तहसील परिसर में हड़कंप मच गया है।

तहसीलदार की कार्यप्रणाली से नाराज अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। तहसील बार एसोसिएशन ने शनिवार को अध्यक्ष सामन्त कुमार मिश्र की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में प्रशासनिक कार्यप्रणाली और गेट बंद करने के मामले में दर्ज मुकदमे पर चर्चा हुई। अधिवक्ताओं ने बताया कि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, एसडीएम और तहसीलदार देवरिया को कार्यशैली में सुधार के लिए एक माह का समय दिया गया था। लेकिन इस अवधि में कोई सुधार नहीं हुआ। पिछले दो वर्षों से तहसीलदार केवल आईजीआरएस निस्तारण तक सीमित रहे। दूर–दराज से आने वाले वादकारियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया।

तहसीलदार और नायब तहसीलदार की न्यायिक कार्यों में रुचि न लेने से तहसील परिसर में असंतोष का माहौल है। प्रशासनिक उपेक्षा से वादकारियों को बार–बार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैठक के बाद अधिवक्ताओं ने सड़क पर प्रदर्शन किया। जुलूस तहसील परिसर से सुभाष चौक और सिविल लाइन होते हुए दीवानी कचहरी पहुंचा। जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारी भी आंदोलन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। कलेक्ट्रेट में अधिवक्ताओं ने एडीएम (वित्त एवं राजस्व) को डीएम का नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि जब तक प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सुधार नहीं होगा और न्यायिक कार्यों में पारदर्शिता नहीं आएगी, तब तक अधिवक्ता सहयोग नहीं करेंगे।

अध्यक्ष सामन्त कुमार मिश्र ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन वादकारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए है। उन्होंने तहसीलदार और नायब तहसीलदार की कार्यशैली में तत्काल सुधार की मांग की है।

ट्रंप और राहुल को दुनिया में कोई नहीं समझ सकता –बृजभूषण

संवाददाता–गोण्डा। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहाकि राहुल गांधी को न पढ़ाई–लिखाई से कोई मतलब है, न संस्कार से। इसी का परिणाम है कि समय–समय पर वह जहर उगलते रहते हैं। कभी पीएम मोदी को 'मौत का सौदागर', कभी 'राफेल चोर' कहते हैं। जबकि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। उनकी मां की आलोचना करना केवल प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि पूरे देश की माताओं, बहनों और नारी समाज का अपमान है। हमारे यहां औरत, लड़की और मां को देवी स्वरूपा कहा गया है। जो महिला अब इस दुनिया में नहीं हैं, उनकी आलोचना करके राहुल गांधी ने अपनी औकात का परिचय दिया है। बृजभूषण ने कहाकि देश की परंपरा और संस्कृति को ठेस पहुंचाने का काम राहुल गांधी लगातार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के प्रति अभद्र शब्दों का प्रयोग करना यह दर्शाता है कि इनको परंपरा और संस्कार से कोई मतलब नहीं है। भाषा की भी एक मर्यादा होती है, उसका ध्यान रखना चाहिए। चुनावी सभाओं में जब वह ऐसे शब्द बोलते हैं तो भीड़ तालियां बजाती है। इसके चलते ही चुनाव में उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। बिहार चुनाव में भी यही होगा। यह स्वयं में एक बड़ा मुद्दा है कि आपका मातृत्व समाज और महिलाओं के प्रति क्या भाव है।

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर टैरिफ लगाए जाने को लेकर बृजभूषण शरण सिंह ने कहाकि दुनिया में दो ही आदमी हैं जिन्हें कोई समझ नहीं सकता, एक डोनाल्ड ट्रंप और दूसरा राहुल गांधी। ये कब क्या हरकत कर जाएं, कोई अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। आज ट्रंप की निंदा उनके देश में हो रही है। संसद कर रही है, जनता कर रही है, कोर्ट कर रही है। भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें। ट्रंप को मालूम होना चाहिए कि यह भारत 1990 वाला भारत नहीं है। जब देश का सोना गिरवी रखना पड़ा था या दबाव में चीन से समझौता करना पड़ा था, वह भारत अब नहीं है। यह 2025 का भारत है। यहां नरेंद्र मोदी जैसे प्रधानमंत्री हैं, पूर्ण बहुमत की सरकार है और जनता सरकार के साथ खड़ी है। जो भी होगा, देश की जनता उसका सामना करने के लिए तैयार है। जापान दौरे का जिक्र करते हुए कहाकि 2014 के बाद विदेशों में भारत की हैसियत लगातार बढ़ी है। आज हम दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। चाहे गाड़ियां का क्षेत्र हो, मोबाइल, कपड़ा या टेक्नोलॉजी। हर क्षेत्र में भारत सबसे बड़ा खरीदार है। इसलिए दुनिया को भारत के साथ मिलकर चलना ही पड़ेगा।

अमेरिकी सामान के बहिष्कार की मांग को लेकर कहा– जनता मांग कर रही है कि विदेशी सामान का बहिष्कार किया जाए। हमें भी स्वदेशी अपनाना चाहिए। यदि विकल्प मौजूद है तो विदेशी उत्पादों से बचना चाहिए। अगर विकल्प न हो तो मजबूरी है। जिले के विश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने देवीपाटन मंडल के अलग–अलग जिलों से पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को बुलाकर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।

किसानों से 150 रुपए अतिरिक्त मांगने वाला थाने का फॉलोअर निलंबित

संवाददाता–श्रावस्ती। हरदत्त नगर गिरन्ट सहकारी समिति पर यूरिया खाद वितरण में खाद दिलाने के एवज में अतिरिक्त पैसे मांगने का एक वीडियो बीते शुक्रवार सामने आया था। दरअसल गिरन्ट थाना का फॉलोअर धर्मेन्द्र तिवारी किसानों से प्रति बोरी 150 रुपए अतिरिक्त लेकर बिना लाइन में लगाए खाद दिलाने का सौदा कर रहा था।

वहीं इस सौदेबाजी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में दिख रहा व्यक्ति किसानों को कह रहा है कि 270 रुपए प्रति बोरी के अलावा 150 रुपए अतिरिक्त देने होंगे। वह किसानों को बिना लाइन में लगे खाद दिलाने का आश्वासन भी दे रहा था।

वहीं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के संज्ञान में मामला आने पर हरदत्त नगर गिरन्ट थाने पर तैनात फॉलोअर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर पुलिस लाइन भेज दिया गया है। वहीं मामले में क्षेत्राधिकारी इकौना अन्य विभागीय जांच कर रहे हैं।

हालांकि इस मामले में स्थानीय किसानों का आरोप है कि इस अवैध सौदेबाजी में सहकारी समिति के प्रबंधन से भी कोई शामिल है। हालांकि, समिति सचिव आनंद प्रताप सिंह का कहना है कि यूरिया खाद नियमित दर 270 रुपए प्रति बोरी पर वितरित की जा रही थी।

फिलहाल इस मामले में समिति प्रबंधन की भी जांच होनी चाहिए, क्योंकि सवाल यह भी उठता है कि बिना सहकारी समिति प्रबंधन मे किसी के सह के फॉलोअर किस आधार पर किसानों से अतिरिक्त राशि की मांग कर सकता है?

इस मामले में फॉलोवर के अलावा जो भी दोषी हो उस पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। क्योंकि सहकारी समिति पर खाद आने पर किसान सुबह से शाम तक लाइन में लगते हैं और कई बार स्टॉक खत्म होने के कारण खाली हाथ लौट जाते हैं।

जिला पंचायत की बोर्ड बैठकःपरिसीमन, सड़क और बिजली समेत कई मुद्दों पर चर्चा

संवाददाता–देवरिया। जिला पंचायत की बोर्ड बैठक शनिवार को जिला पंचायत सभागार में संपन्न हुई। जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश चंद्र तिवारी ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। सेमरा–घूसरी में सीसी रोड का निर्माण होगा। विशुनपुर कला चौराहे पर नाली निर्माण का प्रस्ताव पास किया गया। ग्राम पंचायत निसवा वार्ड–13 के सदस्य परमहंस सिंह का त्यागपत्र स्वीकार किया गया। जिला पंचायत की आय बढ़ाने के लिए उपविधियों में संशोधन को हरी झंडी मिली। जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त प्रस्तावों पर कार्रवाई की गई। प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नति को मंजूरी दी गई। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला पंचायत कार्यालय और क्लब भवन की छत पर सोलर पैनल लगेंगे। साथ ही रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी स्थापित किया जाएगा। निरीक्षण गृह भवन को निष्प्रयोज्य घोषित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला पंचायत क्षेत्र के परिसीमन पर विशेष चर्चा हुई। सदस्यों ने कहा कि परिसीमन का प्रभाव विकास योजनाओं और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व पर पड़ेगा। इस मुद्दे पर गहन विचार–विमर्श के बाद प्रस्ताव पारित किया गया।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शासनादेश के अनुसार केवल निर्वाचित और पदेन सदस्य ही बैठक में भाग ले सकते हैं। सदस्यों से आग्रह किया गया कि वे आगामी बैठकों में समय से उपस्थित होकर विकास कार्यों में सहयोग करें।

सौतेली मां ने 8 साल के बच्चे को पीटा, मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। नवीन मॉडर्न थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत डिगुराजोत के मजरा फत्तूपुर में एक सौतेली मां ने 8 वर्षीय बच्चे की पिटाई कर दी। पिटाई के बाद बच्चे की मौत हो गई। मृतक दीपक पुत्र राजकुमार दुबे अपने पिता के साथ रहता था। शनिवार को किसी बात को लेकर सौतेली मां और दीपक के बीच विवाद हुआ। सौतेली मां ने गुस्से में आकर बच्चे को डंडे और थप्पड़ों से पीटा। पिटाई के दौरान दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया। कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

नवीन मॉडर्न थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने आरोपी सौतेली मां को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना से गांव में शोक की लहर है। ग्रामीणों में आक्रोश भी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

टैंकर की चपेट में आई बाइक, बाबा की मौत, बहू व दो नातिन घायल

संवाददाता–गोण्डा। शहर के सर्कुलर रोड पर शनिवार दोपहर एक निजी अस्पताल के पास एक बाइक टैंकर की चपेट में आ गई। इस घटना में बाइक सवार बाबा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बहू और दो नातिन गंभीर रूप से घायल हो गई। घायलों को इलाज के लिए बाबू ईश्वर शरण अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से एक नातिन की स्थिति गंभीर होने के कारण लखनऊ रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद भीड़ से बचकर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने टैंकर को अपने कब्जे में ले लिया है। बताया जाता है कि तरबगंज थाना क्षेत्र के विजयपुर मौजा बैरिहा निवासी राजाराम मौर्य (56) अपनी बहू नेहा मौर्य (28) व दो नातिनया लक्ष्मी (6) और आरती (5) वर्ष के साथ शनिवार को गांव से मुख्यालय आधार कार्ड बनवाने बाइक से आए थे। काम निपटाकर सब लोग घर बाबा संग सभी लौट रहे थे। वह सर्कुलर रोड स्थित एक निजी अस्पताल के पास पहुंचे ही थे कि बड़गांव चौराहे से मनकापुर बाईपास की तरफ जा रहे तेज रफ्तार इंडियन ऑयल के टैंकर ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद राजाराम टैंकर के चक्के के नीचे आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वहीं बहू और उनकी बेटियां उछल कर दूर जा गिरे। हादसे में बेटी लक्ष्मी गंभीर रूप से घायल हुई है। उसे मेडिकल कॉलेज से हायर सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। महराजगंज चौकी इंचार्ज मनीष कुमार ने बताया शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। चालक मौके से फरार हो गया है, टैंकर कब्जे में लिया गया है। हादसों के लिए मशहूर हो गई सर्कुलर रोड रूट शहर में सर्कुलर रोड आबादी के बीच से निकला है। यहां आए दिन हादसे होते रहते हैं। इससे पूर्व हाल ही में एक शिक्षक समेत कई अन्य इसी सड़क पर हादसे के शिकार हो चुके हैं। यहां साल भर में कई हादसे होते हैं, जिसमें लोग जान गंवा बैठते हैं। इसे खूनी और हादसे वाली सड़क का नाम लोग देने लगे हैं। लोगों ने इस सड़क को भारी वाहनों के लिए नो इंट्री जोन बनाए जाने की मांग की है। सड़क पर हादसे के बाद जुट गई भीड़, लगा जाम रू शहर की मुख्य सड़क पर अचानक हुए हादसे से लोगों की भीड़ जुट गई। देखते ही देखते सड़क पर गाड़ियों की लाइन लग गई। हालांकि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची नगर कोतवाली पुलिस ने स्थिति संभाली और हादसे की चपेट में आए सभी को अस्पताल भेजवाया। उसके बाद यातायात सुचारु करवाया गया।

समाजसेवी रामजस मांझी को किया गया सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम के नगरी के समाजसेवी रामजस मांझी हुए सम्मानित हिंदी दैनिक बदलता स्वरूप के 16वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में मांझी मझवार समाज कल्याण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजस मांझी को समाज सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मंडल ब्यूरो चीफ बदलता स्वरूप महेंद्र कुमार उपाध्याय ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जो लोग समाज को आगे बढ़ाने में सक्रिय रहते हैं, उन्हें पहचान दिलाना और सम्मानित करना ही हमारा कर्तव्य है। इसी क्रम में रामजस माझी सहित अन्य विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया है बताते चलें कि रामजस माझी लंबे समय से समाज सेवा में सक्रिय हैं।

चाहे गरीबों के लिए कंबल वितरण कार्यक्रम हो, जरूरतमंदों की आर्थिक मदद, या शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग कृवे हमेशा हर वर्ग के लोगों की मदद के लिए तत्पर रहते है स्थापना दिवस के अवसर पर समाज उत्थान में योगदान देने वाले कई अन्य लोगों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य नागरिक, पत्रकार और समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नेत्रदान से किसी की जिंदगी में आ सकती है रोशनी

संवाददाता–महराजगंज। नेत्रदान एक महादान है। इससे किसी की जिंदगी में रोशनी आ सकती है। आपके नहीं रहने पर भी आपकी आंख से व्यक्ति खुशहाल जिंदगी जी सकेगा। इसके लिए आप जीवित रहते ही आंख दान करने की जरूरत है। ये बातें अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राकेश कुमार ने कही। वे सीएमओ कार्यालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय नेत्र पखवाड़ा गोष्ठी के बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। एसीएमओ ने कहा कि नेत्रदान से बढ़कर कोई दान नहीं है। उन्होंने कहा कि आठ सितंबर तक पखवाड़ा चलेगा। इसमें अधिक से अधिक लोगों को जागरूक कर नेत्रदान करने के लिए प्रेरित करना है।

एसीएमओ डॉ. नवनाथ प्रसाद ने कहा कि नेत्रदान एक महान और पुण्य कार्य है। घर बैठे टोल फ्री नंबर 1919 पर काल कर नेत्रदान कर सकते हैं। मृत्यु होने पर तत्काल इस नंबर पर फोन करें। टीम मौके पर पहुंचकर आपकी आंख का सुरक्षित करेगी। लेकिन मृत्यु के छह से लेकर आठ घंटे के अंदर ही आंख की रोशनी सुरक्षित हो सकती है। डिप्टी सीएमओ डॉ. वीर विक्रम सिंह ने कहा कि नेत्रदान ऐसा कार्य है, जो किसी ऐसे व्यक्ति को रोशनी प्रदान करता है। डिप्टी सीएमओ डॉ. नीरज लाल कन्नौजिया ने कहा कि दुनिया में लाखों लोग कार्नियल अन्धता से पीड़ित हैं। इनके जीवन में उजाला लाने के लिए नेत्रदान ही एक मात्र तरीका है। गोष्ठी में डॉ. बीएन वर्मा और सहायक शोध अधिकारी जहांआरा के अलावा कई स्वास्थ्य कर्मचारी शामिल रहे।

नवरात्रि-वारावफात समेत कई त्योहारों को लेकर डीएम-एसपी ने पीस कमेटी से की चर्चा

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वारावफात, नवरात्रि, दशहरा और अनन्त चतुर्दशी त्योहारों की तैयारियों पर विचार—विमर्श किया गया। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और धर्मगुरुओं से आपसी सौहार्द बनाए रखने का आग्रह किया। जिले की गंगा—जमुनी संस्कृति को बनाए रखने में सहयोग की अपील की। जिलाधिकारी ने सभी से धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने का आह्वान किया। अफवाहों से सावधान रहने और सूचनाओं की पुष्टि अधिकारियों से करने को कहा। पुलिस अधीक्षक ने असामाजिक तत्वों की सूचना तत्काल पुलिस को देने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी और क्षेत्राधिकारी उपस्थित थे। विभिन्न समुदायों के धर्मगुरुओं ने प्रशासन को सुझाव दिए। सभी ने त्योहारों को शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने का संकल्प लिया।

सत्ता की भूख में संस्कारों को तिलांजलि दे चुके सपा—आरजेडी व कांग्रेस —ब्रजेश पाठक

संवाददाता—अयोध्या। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शनिवार को अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने हाल ही में दिवंगत राम मंदिर ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य और अयोध्या राज परिवार के मुखिया स्व. बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने बिमलेंद्र मोहन के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जाना एक बड़ी क्षति है। मीडिया से बातचीत में डिप्टी सीएम ने कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने सबसे पहले बिहार की राजनीति पर विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जिस तरह की अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इंडी गठबंधन के लोग लगातार भाषाई संयम खो रहे हैं। खासकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आरजेडी सत्ता की भूख में भारतीय संस्कारों को तिलांजलि दे चुके हैं।

डिप्टी सीएम ने आगे कहा कि कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपशब्द बोले जाते हैं, तो कभी उनकी दिवंगत मां के खिलाफ अभद्र भाषा का उपयोग किया जाता है। यहां तक कि गृहमंत्री अमित शाह को भी अशोभनीय शब्दों से नवाजा गया। इस तरह की भाषा को न भारत स्वीकार करेगा और न बिहार के लोग। पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा है। विपक्ष केवल फ्रस्ट्रेशन में इस तरह की हरकतें कर रहा है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी डिप्टी सीएम ने निशाना साधा। कहा कि उन्हें अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। जनता की समस्याओं से उनका कोई सरोकार नहीं है। सत्ता को केवल परिवार तक सीमित करना उनका मकसद रहा है। संभल हिंसा पर उन्होंने कहा कि रिपोर्ट पेश कर दी गई है। अब कानून के तहत सख्त कार्रवाई होगी। मथुरा से जुड़े प्रश्न पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे अयोध्या में भव्य राम मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण हुआ है। वैसे ही अब सभी चाहते हैं कि बांके बिहारी कॉरिडोर भी जल्द साकार स्वरूप में हो।

कोर्ट ने 4 साल बाद सुनाया फैसला, साक्ष्य के अभाव में पूर्व चेयरमैन बरी

संवाददाता—संतकबीरनगर। नगर पंचायत हरिहरपुर के पूर्व चेयरमैन रविन्द्र प्रताप शाही उर्फ पप्पू शाही को कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। जनपद एवं सत्र न्यायाधीश मोहन लाल विश्वकर्मा ने साक्ष्य के अभाव में उन्हें दोषमुक्त कर दिया है। मामला मार्च 2021 का है। उन्नाव जनपद में रेलवे गेटमैन के पद पर तैनात रघुवीर गुप्ता ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतक के पिता राम वचन गुप्ता ने वर्तमान चेयरमैन जितेन्द्र कन्नौजिया और पूर्व चेयरमैन पप्पू शाही पर आत्महत्या के लिए विवश करने का आरोप लगाया था। राम वचन गुप्ता का आरोप था कि उनके नाम जगदीशपुर गौरा में आवंटित भूमि का पट्टा, जितेन्द्र कन्नौजिया और पप्पू शाही ने स्थानीय अधिकारियों से मिलकर निरस्त करवा दिया। इस कारण उनका बेटा रघुवीर अन्य किसानों के साथ जनपद और तहसील स्तर पर विरोध प्रदर्शन कर रहा था। पिता का कहना था कि इसी रंजिश में आरोपियों ने उनके बेटे को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। तंग आकर रघुवीर ने तकिया रेलवे स्टेशन पर जहर खा लिया। मृतक ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था, जो उन्नाव के थाने में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के साथ जमा है।

बच्ची से दुष्कर्म करने का आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता—गोरखपुर। इलाके के एक गांव में दस वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाग की ओर जा रही बच्ची को गांव के ही 21 वर्षीय युवक ने दबोच लिया और फिर दुष्कर्म कर फरार हो गया। घर आकर पीड़िता ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर आरोपित संजय को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को पुलिस ने आरोपित को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया। बच्ची के पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया था कि उनकी दस वर्षीय बच्ची 27 अगस्त की रात को घर से शौच के लिए निकली थी। बाग में अकेला पाकर संजय ने उसके साथ दुष्कर्म किया। शुक्रवार की रात में पुलिस ने आरोपित पर केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को आरोपित को पुलिस ने जेल भिजवा दिया।

चोरों ने तीन घरों से नगदी समेत 15 लाख के जेवरात पार किए

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। जलालपुर सर्किल के अलग—अलग थाना क्षेत्रों में शुक्रवार की रात चोरों ने दुस्साहसिक ढंग से धावा बोलते हुए तीन घरों को निशाना बनाया और तीन लाख नगदी समेत लगभग 15 लाख रुपए कीमत के सोने—चांदी के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। वारदातों से पूरे क्षेत्र में खलबली मच गई। सूचना पर सीओ जलालपुर अनूप कुमार सिंह ने कटका व जलालपुर थानाध्यक्ष के साथ चोरी की घटनाओं का जायजा लिया। कटका थाना क्षेत्र के भियाव सैदपुर गांव में मोहम्मद इसराइल के घर में घुसकर चोरों ने आलमारी व बॉक्स का ताला तोड़ दिया। घर के विभिन्न कमरों को खंगालते हुए तीन लाख रुपये नगद और करीब 15 लाख रुपये कीमत के जेवरात चोरी कर लिए।

परिजनों को रात में ही घटना का पता चला। सूचना पर ग्रामीणों के साथ पुलिस ने घेराबंदी की, मगर चोर फरार हो गए। पीड़ित ने दिए तहरीर में तीन लाख नगदी व दो हार, दो सीकड़, अंगूठी, कान का झुमका, बाली, मांग टीका पाजेब समेत लगभग 15 लाख कीमत के जेवरात गायब होने की शिकायत की है। इसी रात मात्र सौ मीटर की दूरी पर स्थित पूर्व ब्लाक प्रमुख सूर्य नारायण शुक्ल के घर भी चोरों ने धावा बोला। यहां आलमारी और बॉक्स का ताला तोड़ा गया, लेकिन चोर कोई सामान ले जाने में सफल नहीं हो पाए। वहीं जलालपुर थाना क्षेत्र के ब्राह्मणपट्टी गांव में दिलीप शुक्ल के घर भी उसी रात चोरी हुई। जब पूरा परिवार छत पर सो रहा था, चोरों ने सीसी कैमरे को तोड़ दिया और मुख्य दरवाजे से अंदर घुसकर आलमारी व बॉक्स का ताला तोड़ा। दो सोने की चेन, तीन अंगूठी, चांदी के आभूषण व 10 हजार रुपये नगद पार कर लिए। चोर घर से सीसी कैमरे का डीबीआर भी उठा ले गए। सुबह परिजनों को घटना की जानकारी हुई और पुलिस को सूचना दी गई। तीन घरों में हुई चोरी से पूरे इलाके में दहशत और सनसनी फैल गई है। मौके पर पहुंचे सीओ अनूप कुमार सिंह, एसओ कटका राकेश कुमार व कोतवाल जलालपुर संतोष कुमार सिंह ने घटना स्थल का जायजा लिया और शीघ्र खुलासे का दावा किया है।

चोरी की बाइक के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

संवाददाता—गोरखपुर। कोतवाली पुलिस ने झंगहा थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर झीनक यादव को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया। झीनक पर जनपद के विभिन्न थानो मे 21 मुकदमे दर्ज हैं। कोतवाली प्रभारी चंद्रभान सिंह ने बताया 24 अगस्त को पटना चौराहे पर इलाज कराने आए व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई थी। शनिवार की सुबह चेकिंग के दौरान सिधुआपार फोरलेन के पास बाइक सवार को रोका गया। पूछताछ में उसकी पहचान झंगहा थाने के थुन्ही बाजार, लेडुआपार निवासी हिस्ट्रीशीटर झीनक यादव के रूप में हुई। उसके पास से चोरी की बाइक बरामद की गई। झीनक यादव पर बड़हलगंज, गोला, पिपराइच, खजनी, झंगहा, गगहा, सिकरीगंज, बांसगांव, खोराबार मे कुल 21 मुकदमे दर्ज हैं।

मूल आवंटी बेघर, प्रशासन की लापरवाही से बिगड़े हालात

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। अकबरपुर नगर पालिका क्षेत्र में बनी कांशी राम कालोनियां आज अव्यवस्था और अवैध कब्जों का गढ़ बन चुकी है। जिन गरीब और बेघर परिवारों को बसपा सरकार में मुख्यमंत्री मायावती ने सिर छुपाने के लिए यह आवास मुहैया कराए थे, वही आज बेघर होकर कहीं और पलायन करने को मजबूर है। कारण है कॉलोनियों में बड़ी संख्या में अपात्र लोगों का कब्जा और नगरपालिका की अनदेखी। नगर पालिका क्षेत्र के याकूबपुर कटारिया, रतनपुर, बसखारी विजय गांव के पास और अयोध्या मार्ग पर शिवबाबा के पास बनी कॉलोनियों में पात्र परिवारों को आवास आवंटित किया गया था। शुरुआती दिनों में आवंटी परिवार यहां बसे भी, लेकिन कालोनियों की दूरी, गंदगी और अव्यवस्था से परेशान होकर अधिकांश मूल आवंटी अपने मकान छोड़कर दूसरी जगह रहने लगे। खाली हुए मकानों पर कब्जाधारियों ने डेरा डाल लिया, तो कई घर किराए पर उठा दिए गए। हालत यह है कि आज इन कॉलोनियों में पात्रों से ज्यादा अपात्र लोग रह रहे हैं। गंदगी और लापरवाही का आलम यह है कि कहीं खिड़कियों के शीशे टूटे पड़े हैं तो कहीं पुताई वर्षों से नहीं हुई। सफाई व्यवस्था ठप है और अवैध कब्जेदार कॉलोनी को अराजकता का अड्डा बना रहे हैं। मूल आवंटियों का कहना है कि सरकार की मंशा गरीबों को छत दिलाने की थी, लेकिन आज हालात ठीक उलटे है।

टांडा—कलवारी पुल का मरम्मत कार्य 11 से, आवागमन पूर्णतः बंद रहेगा

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश शासन से अनुमति मिलने के बाद अम्बेडकरनगर व बस्ती को जोड़ने वाले दो किलोमीटर से लम्बे क्षतिग्रस्त पुल की मरम्मत का कार्य एनएचएआई 11 सितम्बर से शुरू करेगा, जो लगभग दो माह तक चलेगा इस दौरान पुल पर आवागमन पूर्ण रूपेण बंद रहेगा। मार्ग परिवर्तन योजना के तहत न्योरी अम्बेडकरनगर से कलवारी जनपद बस्ती को डायवर्ट किया गया है। पूर्वांचल के सबसे लम्बे 2231 मीटर लम्बे व 72 खंभे वाले टाण्डा कलवारी पुल व एप्रोच मार्ग के निर्माण के दौरान ही दीमक रूपी भ्रष्टाचार लग गया था, जिसके कारण 119.20 करोड़ रुपए लगने के बाद भी पांच साल तक नहीं चल सका और वर्ष 2017 में ही पुल की वेयरिंग टूट गई थी, जिसके निर्माण के लिए पुल पर आवागमन को एक महीने से ज्यादा समय के लिए बंद करना पड़ा था। एनएच 28 (पुराना 233) घाघरा नदी पर बने पुल के मरम्मतीकरण का कार्य एनएचएआई से आगामी 11 सितम्बर से कराया जाना है, जिसके लिए पुल पर आवागमन पूर्ण रूप से बंद रहेगा। बस्ती से आजमगढ़ और आजमगढ़ से बस्ती जाने वाले वाहन न्योरी से कलवारी की तरफ जाएंगे। पहले यह मरम्मत का काम मई 2025 में होना था लेकिन कांवड़ यात्रा को देखते हुए शासन ने अनुमति नहीं प्रदान की। पुल पर आवागमन को दो माह तक बंद कर मरम्मत का कार्य चलेगा। इस दौरान बस्ती से आजमगढ़ व बनारस जाने वाले वाहनों को धनघटा बाजार से बिड़हर होकर आजमगढ़ जाना होगा, जिससे प्रत्येक को लगभग 66.5 किलोमीटर की दूरी अधिक तय करनी पड़ेगी। एसएन तिवारी, अवर अभियंता, राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण ने बताया कि पुल की छत कई जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। बीते 10 साल से अधिक समय बीत चुका है लेकिन पुल खस्ताहाल होने के बाद भी आवागमन चलता रहा। अब 11 सितम्बर से लगभग दो माह तक क्षतिग्रस्त पुल की मरम्मत होने के बाद जनता के आवागमन के लिए शुरू हो सकेगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित जाता है मेरा नाम अभिनव चौधरी पुत्र नरेन्द्र कुमार चौधरी ग्राम व पोस्ट— कलवारी मुस्तहकम, थाना— कलवारी, जिला— बस्ती है। त्रृटि बस लिखा पढ़ी में मेरा नाम प्रणव चौधरी हो गया है जो गलत है। मेरा सही नाम अभिनव चौधरी है।

(अभिनव चौधरी)
ग्राम व पोस्ट—
कलवारी मुस्तहकम
थाना— कलवारी, जिला— बस्ती

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0—11025/2025
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0—2006
अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय हर्रैया जिला बस्ती

दुर्गेश सिंह
बनाम
स्वामीनाथ आदि

1. स्वामीनाथ पुत्र जगदीश सिंह 2. राकेश कुमार सिंह पुत्र रामनरेश सिंह 3. अनिल कुमार सिंह 4. विनय कुमार सिंह पुत्रगण रामजतन सिंह 5. अरूण कुमार सिंह पुत्र संतोष कुमार सिंह 6. दर्शन सिंह 7. अजय कुमार सिंह 8. विजय कुमार सिंह पुत्रगण रामबदन सिंह 9. अनन्त कुमार सिंह पुत्र विश्वनाथ सिंह 10. श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी विश्वनाथ सिंह 11. शिशिर कुमार सिंह पुत्र संतोष कुमार सिंह 12. मनोज कुमार सिंह 13. विनीत कुमार सिंह 14. सुमित कुमार सिंह15. सचिन कुमार सिंह पुत्रगण रामजन्म सिंह साकिनान महेवा कुवॅर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती 16. महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 द्वारा अधिशाषी अभियन्ता सरजू नहर खण्ड अयोध्या 17. ग्राम पंचायत रतनपुर राय जरिये प्रधान निवासी मलकैनिया तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 04—09—2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 30 माह 08 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0—C202517000000166
अदालत—श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला—बस्ती

अनिल कुमार
बनाम
अशोक कुमार आदि

1. अशोक कुमार 2. विजय कुमार पुत्रगण शक्तिनरायन 3. प्रियंक पुत्र अवनीश कुमार साकिनान मौजा गिधार तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला—बस्ती
—विपक्षी प्रथम वर्ग
4. अरूण कुमार पुत्र भगौती साकिन मौजा गिधार तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला—बस्ती 5. अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत रूधौली जिला—बस्ती 6. उ0प्र0 सरकार द्वारा कलेक्टर बस्ती —विपक्षी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 12—09—2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 12 महीना 09 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 30 माह 08 सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 192/2025
दीपचन्द्र पाण्डेय—सायलान

1. दीपचन्द्र पाण्डेय आयु 39 वर्ष पुत्र स्व0 जयकष्ण पाण्डेय 2. श्रीमती उर्मिला पाण्डेय आयु 62 वर्ष पत्नी स्व0 जयकष्ण पाण्डेय 3. श्रीमती पूनम पाण्डेय आयु 42 वर्ष पुत्री स्व0 जयकष्ण पाण्डेय समस्त निवासीगण मकान सं0—1301 उत्तरी आवास विकास कालोनी सत्यवानपुरी पोस्ट गांधी नगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 06—10—2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 06—10—2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0—C202417000001531
अदालत—श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला—बस्ती

ओम प्रकाश आदि
बनाम
अजय कुमार आदि

1. अजय कुमार 2. विनय कुमार पुत्रगण स्व0 चन्द्रप्रकाश साकिनान मौजा रतनपुर अर्जुन तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती 3. ग्राम पंचायत रतनपुर अर्जुन बजरिये ग्राम प्रधान ग्राम रतनपुर अर्जुन तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 08—10—2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 08 महीना 10 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 30 माह 08 सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0—1084/1990

हरिमंगल आदि
बनाम
दयाराम आदि

2/1 रामगनेश 2/2 रामअनुज पुत्रगण जितई साकिनान मौजा मंझारी तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला—बस्ती

तारीख पेशी 10—09—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 10 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान अपर जिला जज /एफ0टी0सी0 प्रथम महोदय बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्ण अपील नं0—15/2020

शेरबहादुर सिंह आदि
बनाम
पंकज कुमार आदि

12/1 श्रीमती सांवली देवी बेवा स्व0 राम गोपाल कश्यप ग्राम धुरधा तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती 12/2 दीपू 12/3 गणेश पुत्रगण राम गोपाल कश्यप 12/4 मालती देवी 12/5 रेनू पुत्रीगण राम गोपाल कश्यप निवासीगण ग्राम धुरधा तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 23—09—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 23 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—792/1987

श्रीमती रैतुला
बनाम
इमाम अली

1. खलीलुल्लाह 2. अजीमुल्लाह 3. वैतुल्लाह पुत्रगण इमाम अली 4. इस्माइल पुत्र स्व0 हमीदुल्लाह 5. श्रीमती जन्नतुन्निशा विधवा पत्नी हमीदुल्लाह 6. साफिया खातून 7. आसिया खातून 8. आशमा खातून 9. आइशा खातून पुत्रीगण स्व0 हमीदुल्लाह 10. हवीवुल्लाह पुत्र स्व0 इमाम अली 11. श्रीमती सगीरा विधवा पत्नी इमाम अली निवासीगण ग्राम पैडा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला—बस्ती

तारीख पेशी 02—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान अपर जिला जज /एफ0टी0सी द्वितीय महोदय बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्ण सि0 वाद सं0—118/2023

छेदी
बनाम
राधेमोहन

1. मोहन लाल वालिग पुत्र द्वारिका राम मृतक 1/1 मुरारीलाल वालिग पुत्र मोहनलाल 1/1/1 भास्कर उम्र करीब 48 साल 1/1/2 मधुकर उम्र करीब 40 साल 1/1/3 मनोज उम्र करीब 38 साल 1/1/4 अनुराग उम्र करीब 32 साल पुत्रगण मुरारीलाल 1/1/5 शर्मिला वालिग पत्नी मुरारीलाल साकिनान कस्बा पुरानी बस्ती मोहल्ला पठान टोला तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती 1/2 लल्ला (मृतक) 1/2/1 रोहित कुमार उम्र 20 वर्ष 1/2/2 मोहित कुमार उम्र 18 वर्ष पुत्रगण स्व0 लता उर्फ चन्द्रकान्त 1/3/2 डेविट उर्फ इन्द्रजीत वालिग पुत्र मोहन लाल 1/3/1 भानु उर्फ संजय उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र डेविट उर्फ इन्द्रजीत 1/3/2 मिन्नी उम्र लगभग 46 वर्ष पुत्री डेविट उर्फ इन्द्रजीत 1/3/2 अनन्ता देवी वालिग पत्नी डेविट उर्फ इन्द्रजीत 1/4 पलेइ उर्फ कृष्णादत्त वालिग पुत्र मोहनलाल 1/4/1 अतुल उम्र करीब 40 वर्ष 1/4/2 अमित उम्र करीब 30 वर्ष पुत्रगण पलेइ 1/5 पंकज वालिग पुत्र मोहनलाल 1/6 श्रीमती गुलाबा वालिग पत्नी मोहनलाल साकिनान कस्बा पुरानी बस्ती मोहल्ला पठान टोला तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 03—10—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 03 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—1045/2015

रामबक्श आदि
बनाम
हरीराम आदि

1/1 राम प्रकाश उम्र लगभग 45 वर्ष 1/2 ओम प्रकश उम्र लगभग 35 वर्ष 1/3 रामजी उम्र लगभग 28 वर्ष 1/4 विवेक कुमार उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्रगण हरीराम 1/5 जगपता देवी उम्र लगभग 40 वर्ष 1/6 कान्ती देवी उम्र लगभग 33 वर्ष 1/7 मालती देवी उम्र लगभग 30 वर्ष 1/8 ममता उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्रीगण हरीराम 1/9 श्रीमती फूलकला उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी हरीराम निवासीगण ग्राम देवापुर तप्पा बेलवा पो0 व परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती
—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
2/1 रघुनन्दन उम्र लगभग 50 वर्ष 2/2 पारसनाथ उम्र लगभग 45 वर्ष 2/3 सत्य प्रकाश उम्र लगभग 40 वर्ष 2/4 मनोज कुमार उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्रगण शिवकरन निवासीगण ग्राम देवापुर तप्पा बेलवा पर0 व पो0 परगना अमोढ़ा (छावनी) तहसील हर्रैया जिला—बस्ती
—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 18—09—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com